



五

2877

विषयसम्बन्ध

२०३३०

२०३३०

मूलकल कच ध्यायमः अहिनिमिहमनः कवजदवि २०३३० ॥ वागगन्धर्ववि ॥ रगकदहनयकहान
 दिनासनभाहप्रदागा ॥ ०३३० ॥ ॥ वागगन्धर्ववि ॥ रगकदहनयकहान
 मज्जय २०३३० ॥ ॥ वागगन्धर्ववि ॥ रगकदहनयकहान
 शिवलमलायक २०३३० ॥ ॥ वागगन्धर्ववि ॥ रगकदहनयकहान
 लासनददया २०३३० ॥ ॥ वागगन्धर्ववि ॥ रगकदहनयकहान
 या ॥ ॥ वागगन्धर्ववि ॥ रगकदहनयकहान
 वागकदवि ॥ यतजागितिदवि २०३३० ॥ ॥ वागगन्धर्ववि ॥ रगकदहनयकहान

॥ नमामि २०३३० ॥ वागगन्धर्ववि ॥ रगकदहनयकहान
 वरुहगि २०३३० ॥ वागगन्धर्ववि ॥ रगकदहनयकहान
 रा २०३३० ॥ वागगन्धर्ववि ॥ रगकदहनयकहान
 २०३३० ॥ वागगन्धर्ववि ॥ रगकदहनयकहान
 २०३३० ॥ वागगन्धर्ववि ॥ रगकदहनयकहान
 २०३३० ॥ वागगन्धर्ववि ॥ रगकदहनयकहान
 २०३३० ॥ वागगन्धर्ववि ॥ रगकदहनयकहान
 २०३३० ॥ वागगन्धर्ववि ॥ रगकदहनयकहान

२०३३०

ॐ
ॐ
ॐ

लायकज्ञानसर्वज्ञाना ॥ सर्वयज्ञावाहसः हृत्पतपिष्ठा ॥ अमान्दा नयस्मात् २
जोकजकिनिः इण्डु अरुमभानायः ॥ दस्वलिगुदं गुन ॥ दानेयतिसवकार्य
सिद्धिः सवसूखसपतिवर्धन २ आसभानतथागतवचनः सवसूखसपतिवर्धन ॥
॥ समयावदकुदानयतिवः सर्वसिद्धिसपतिभातिव २ अथैवतथैवः हृत्पतपिष्ठा
जिष्ठमार्गिकामर्थ ॥ - ६०३ - ॥ रागपथमंजलि ॥ अनिलः अनिलः अनिलः अनिलः
मनुमधुलचक्रलाया २ वरुणकलसवजालसपरीहृदिः मनुमधुलचक्रलाया ॥ ६
मनुमधुलचक्रलायाः ॥ ६०३ ॥ अनिलः अनिलः अनिलः अनिलः

ॐ
ॐ
ॐ

स्ववक्षरणीया ॥ ॥ अशीसविचंविः लक्षवसजहिऊहिः गहिर्ताहे अरुसमभान २
नरुगसर्वदेवः वरुणदसद्विः मिर्नकियवयनसहाव ॥ ॥ श्रीरुवनगुक्त
रुनियायधतवाथाः श्रीरुवनगुक्तवृविवाहीविवाग ॥ शिनिरुवनधनशंतातवसंप
सादिलः रुविगलउयकाकावा ॥ ॥ अशीससंभगगुपुवाधनगुवागल
दुदिगलहावअहाव २ अममरुतयवचनः दुदिगलहावभातुअतिगयस
हाव ॥ ६०३ ॥ रागलालित ॥ अनिलः अनिलः अनिलः अनिलः

चिचकलभरगं आः हं कालवजामुहूमदकः सफभसाधितज्ञानमृत्तयं ॥ ५ ॥ च
 दामृतरसवाधिरुलदायकः सर्वजिनव्यापितमहजकलसं ॥ जगतमलरुसाधितभु
 नाकनुनाहावः आसंभाबनासनाविनक्षत्रयं ॥ ॥ वजयवमानूमयगन्धवृत्त
 कसरवसाधितः यक्षपिष्टरव ॥ हं कालमकुसूचार्यसवधः वजसुखपितविषा
 कलसं ॥ ॥ घनमयननः तफनुयहाव आरुष्यमभुकिनिजलज्जय ॥ अनिकि
 भभानभदवताचकः ज्ञानसत्त्वमानियः रुद्रिजकलसं ॥ ॥ पासादिआचमनः दा
 नयननसमयसत्त्वः प्रकासितः विमलकलसं ॥ महानागदविहयः वाधिविहयसम

शनिनायन

यसत्त्वज्ञानसत्त्वचिकित्ता ॥ ॥ ५०३० ॥ ॥ वागगन्धर्ववि ॥ शिनिनायनचउवसविहा
 ना ॥ कबरुपतिल्लमभुलहाम ॥ ५ ॥ हामहामकचयोयाहं हं नहिचउमाहा ॥ वाग
 दवमाहवाधिनद्वय ॥ ॥ प्रहाघरुउपायिभवजा ॥ नविभामिवापयिगाः आचार्यव
 यिल्ल ॥ ॥ वामदहिनकबरुवहिपाय ॥ आलयिवजानन आरुगिदिना ॥ ॥ क
 र्वावभूयनरहाम ॥ वजपवनः चियसंवाधा ॥ ॥ ५०३० ॥ ॥ वागनात ॥ वकवदनगी
 लायनसद्वी ॥ अरुगदभरुपनहचक्षिकित्त ॥ ५ ॥ ॥ रुक्मदिवानुनिसहामामः
 किदवि ॥ जगतप्रभादिनमयनसत्त्वराग ॥ ॥ आगमवदप्रानवर्मान ॥ आगधर्मः

न
 न
 न

सु
५

दिक्षुगुण उयदसा ॥ ॥ यक वृद्ध स्रुय कभरुम् २ सया लयागीनी माभ हनु शांनु
हनुता ॥ ॥ भत गुहृ च वधसि नग र धविद्या ॥ २२ नयिणी वा कव रू न हं स्व नुपि ॥
॥ -०६०३०- ॥ नाग रं न वि ॥ न माः हं अका नु श नु य ध नु २ स्व क वि स नु उ श ध नु ॥ ५ ॥
न ना हं हं २ न ना क र हं हं हं ॥ ॥ व द्या अ वि ग न ज ग ध नु २ व रू अ घ रू मू डा ध नु
॥ ॥ ध व ल रू स व न द ह ध नु २ स ल द रू स हि य च उ म नु ॥ ॥ मा या अ द ह
वि न जा गु ॥ २ सा हि य क नु श स त्व म हं ॥ -०६०३०- ॥ ना ग रं न वि ॥ ॥ यी च ऊ च
वि स णिः म भु ल मा भः थि ति आ न द म नु ति ध न २ व रू वा ना हि अ लि ग र स न्व ल ना

अ
५

जी
रु
व
न
जा
लि
त

ना व मि म हा जाला ५ ॥ न ना हं हं २ न ना क र आ हं हं हं ॥ ॥ नि ल व रू च नु
व क प्र ति मू र वी न यः प र ना अ द म नु ति ध न २ वि रू द रू अ रू च उ ज ग म ह र ध न
हा ज आ र व श मू र सा ति ता ॥ ॥ व रू घ रू ग रू च र्म उ म नु र व त्वा ग्धः वि ल मा
आ न द म नु ति ध न २ क र ति क पा लः य व रू पा म री ल व रू म ति ल ध नः व्या उ च र्म क रू
व रू ति ता ॥ ॥ दि ग मि दि गं का का रू म ग कि नि द विः स ह रू आ न द म नु ति ध न
न मा मि २ यी च ऊ स न्व लः स त गु नू च श आ वा धि ता ॥ -०६०३०- ॥ ना ग रं न वि ॥
जी रु व न जा लि त म नु ति अ नू ला य न वि न य रू ॥ ॥ ना च यी व रू स त्व य न म रू न म

विनवकी

विनवकी ॥ लभिमहसाकेचन दसधुर्यसहसुवर्हि ॥ वहविहलत्रय
प्रविभासि सुनलायनवकी ॥ ६०३ ॥ गगयधम ॥ कलितवजानन रवि
भासिकोचद जावयिओका लनादरुपि २ कूडनुथाया शीहवनगीना ययिस
यिजिनविदुप्य ॥ ६ ॥ यवमाजनथ मन्नागेरुपधनी काद्यधिपधी
रुवजा २ ओंजा हं ३ काद्यधिपधीमजेवजा ॥ कलिभकमलसजाहू सह
जाजनथ यवननवंगहनीशगति २ जयसुखसहज वलमकूटमीचा रुष्ट

विनवकी

सिताक्षन दहिनवाम ॥ ६०४ ॥ दसधुर्यलायनी वरुपयक हंरुमधुक्षतनूपक
लितारवऊखजभन दहिनकनधागी ॥ मधुधुत्यवचाययिधानी ॥ विचि
रुनलाकचरु विहसितहलुगिभूतग मन्नागेरुपधनी २ भक्तगुचरुध कमल
प्रसाद नमामियनमादिनिलायद ॥ ६०५ ॥ यनागतापीश कोलावचधिया
वाला ममूनिवकनकाला २ घनकपिथिहायीवजायी कनूनकीयाहुनलाया ॥
॥ ६ ॥ मलयजकूडनुवजाहु दिक्षोमातहिनवजाहु ॥ कदिहनुखाजनगं

म
म

॥ अथः मय नायिवरीनयाळः २ हा न काल जनपनयाळः ३ दुनु वरुणीनयाळः ॥
चउसमकसुनीलाः कर्ण नला वनयाळः २ मल यं जी न्धन भा नो जेः तहिं हनु ला जल
याळः ॥ ॥ अथ रूत कुरु कनभः ॥ अथो सु र्ध नयाळः २ निले सु ह श्रु ग च धा वीयाः त
हिं ज स वा य न याळः ॥ ॥ ॥ नाग या ना वलि ॥ सर्व वृ धा वी वृ ध मा धि रः वि श्व मा
लक्ष दती २ वरु या गो नी ग श मा धि रः काल द ला भि रः जी नी ला च ना ॥ ॥ न मा
मि २ धी ना कृ ति मि दि या गो नी ग न मा धि रः २ अरु अरु मि दि सर्वो मि दि या गो नी ग न म धी

अ
थ
र
त

॥ अथ दि श्व म धु ल रू ज स म र मा दि य मा ल भु वे न वा २ च कि कं धु ल क धि ला च क
म ख ल रू पि ना ॥ ॥ कला ते र व ल्य न मा ल रू द तीः म कू ट क भा दि ग म्भ वा २ मू षुः
मा ल ग श म धि रः ला ली ऊ का र्थ य क ना ॥ ॥ अथ द वि न कृ षू न काः म य ल वि श्व
व्या पि दा २ अरु च न र म सी ल धी रियाः अरु अरु अ क र्थ या ग व यी या ॥ ॥ ॥ नागः
अरु दि ॥ हा दा अरु न रः कु या यी ल स म्भ लाः ध र यी क चा क री न र ॥ २ अरु वी न न म
धिया मू भ नः म कू ट क भा दि ग म्भ वा ॥ ॥ ॥ न व न मा नूः स म्भ ल ला याः स म ल भु ध नी

लः सहस्रं गाना ॥ यवकवावाहि ज्वालिगनकह २ वृथां सो विलं वीनधनः समल
संविना ॥ ॥ रगाकू उहनी वेम्पूमासधु रक्षकं २ कवू धाम्पू नलायत लिखक ॥ ॥ वा
दसू रू धात्रीः चानाच उवदन २ नीलसंहावः गगनह हुरीना ॥ ॥ ६०३ ॥ नागविला
उदेताद लीयिया पवन इष्टार ॥ अनीसह दमिक कासल्लिता ॥ ५ ॥ धान इष्टारः
रुवनि सतरीटा २ अखयानि रीजनः भादलं कता ॥ ॥ ६०४ ॥ नकलमधुलः मरधग
ता २ कवू नामुदनसः सवकली कता ॥ ॥ ६०५ ॥ ज्वालीगनरुवः परिहंता २ द

वाश्चुवनलसिलनामिता ॥ ॥ गाथाः क्रिपवनपटीगुनूत्काश्चञ्जवायाह्निपुञ्ज
सिलनामिता ॥ -०६०३०- ॥ नागकामाज्व ॥ हंती जसंतवखसमयहाः नवनस दायी
सतनक्षनधनाश्चादक्षतुजावदवदनाश्चादभवर्तुनीनकनैर्ग ॥ ६ ॥ नमामी
श्रीश्रीचक्रश्रवः मालहयहवतयहननी ॥ ॥ चतुर्वाविंशतिपि ॥ १००० नः स्वामीसम्मी
लौदेवश्चनश्चतुर्नचक्रप्रदक्षिणीपनीवताः द्रविसुपूतप्रजालीटस्थिता ॥ ॥
प्रज्ञासंपूतः श्रुलीकालीः प्रदाकर्मान्नश्रुतेतश्चधनाश्चादक्षदविचकलावाः न

रुपं वाञ्छति

मामिषीचक्रसम्भवा ॥ सतगुचुचवमः शिलगठधार्यः हनयोगातधीवजकुली
॥ २ ॥ दानपातिलमनाहर्षः शयमसुलज्जावाधीता ॥ ६०३ ॥ वागप्रथमगालि
जयवाञ्छतिः हनुआधल्यो ॥ सयलभुनासूचजगतउधानो ॥ ५ ॥ तहंतगवति
पाइखमलमहिमसुलः नोपुनवूनैमूनैकावा ॥ हाउंरुमालाआतवधः विहसितमस
लघट्टउलाना ॥ श्रीनीगीलिनीनयतिनीनीधयता ॥ कनीतिखत्यवः श्रीवनुड
शलसिलमाला ॥ कुरिष्वदीगवलमकूटकभा ॥ ॥ शिलसमिधुवः केजलसुला

५८

मं
॥

२कसुविकर्णयः तासूतसूखसाभा ॥ हनयाभुनतवजः वाञ्छतिदासा ॥ श्रीवज
दविप्रसादधीहनुआयाया ॥ ६०३ ॥ वागमालव ॥ नजंरुवज्जाधुआलाया ॥ श्री
हकगमनः यागीनीययास ॥ ५ ॥ आनदादिपुवाः कृतिआनदादिदवा ॥ यनीनाच
योहनुआः मनसाधपूर्य ॥ एकसिंहहिरुः नीजकनुहनुआ ॥ सवनीभूनहापि
आपीसताध ॥ श्रीहनुआदियानः जालयीचभुनी ॥ गीतभूनहा ॥ किबंकिवाऊऊ ॥
॥ श्रीनीकालीरयाः पादधवन ॥ नुचउजागीनी ॥ मंगलागत ॥ ॥ ययीसया

विष्णुचक्रमंत्र

होवनी अहयसंज्ञाह शक्तिरक्तकमलः कूलिभावाङ्गन ॥ घट्टमनीरगेनीचीनीः
वतानीरल्लयनचउसमहपुआवाला ॥ ६००३ ॥ वागदीक्षाम ॥ दिहृजपकमूरव
वकवदनरनगनमकूटकमिः वल्लणीनीलाचना ॥ ५ ॥ तमाद्यविबूधजाकेनीः
विष्णुजननीरशीतवनवापीतः ऐनहानदायनी ॥ दहिनुकचवजवीवासितक
धनिर्वैमकलातकः चकुर्मलीपिवयी ॥ तनूनीमधुलामाभः उदियाशगमनर
नल्यूरववतः अतदप्रवसिता ॥ श्रीवीद्याधवीदेवीः शुभननसहिताश्चकलम

सर्वोक्ताना

धिसिद्धिदहिममाता ॥ ६००३ ॥ वागधनाशी ॥ सवाकानामहासुखक्षवीयाः चउ
आनद्यादेदहाशीतवनरुल्लयीः महासुखलायाः चधुसूर्यीरयीमनीया ॥ ५ ॥
नयापनीतानयूरुहिनाः श्रीतवननकस्वरूपिश्चर्वीविकल्पः वीधिसनीदीविः शुभरु
नहानववदादायनी ॥ श्रीमिताएवमशुलउदयानसिद्धिः कल्याननमिबु
धनीश्चकनीटकपालः खलीगभावीः प्रह्लाहानववदायनी ॥ ॥ दिगीवनमकूटक
आः चकि कृष्णलकंशिधनीश्चकमखलः पायलभावीः शोयनूदनलसिलमा

गाने चानुर मन्त्रको काइ जेव्जो कानन जेता. नेपाव मन्त्र वज्जार काधर र गाने वज्जार

शिवजी नमो

हवता र समन समाया राख हसन श्रीहवनलायापचष्टविन. विनाधीपातेस
विहयहवर्थः प्रतापेभाचादिभक्तनमनभा र सुवत्तवज्जतादेः वदिरुपादसर्वीस
प्रिभाहलद. ॥ १०३ ॥ वागकर्षुदा ॥ श्रीहवजनेवात्मादविश्रीहवननाथ
यं कजिनवापितयकवर्षदहा ॥ ५ ॥ नमामि श्रीरामपुष्पाय चेश ॥ हनुकशी
उहवनी वज्जयागीनी भुम्पती ॥ ॥ पूर्वदीगलि. र हेवकासी नालवदवा
॥ दहिनपायधानी वामविश्वना ॥ ॥ घमलीचो बीजागीनीयवी ॥ गुण
रवनीलवर्ह

वा

शिवजी नमो

निनीलवज्जहंकालसंवजा ॥ १०४ ॥ वागवज्ज ॥ वामखत्यवधवदहिन
कवति ॥ पायलनीपु. मधुमाला च्छादीरा ॥ ५ ॥ दवीनाचयी उवज्जोतवज्जयागीनी
श्रीशिवगुदवीः श्रीहवनययीम ॥ ॥ कालमृ. रयीयासुतवदीता ॥ वागदवभा
हः करतिनक्षदिता ॥ ॥ सुलासु. कदवीः नीलंगनदवी ॥ भुम्पपायदवीः सुनसुला
व ॥ ॥ श्रीशेसंहावदवीः कनूयकदवी ॥ भाक्षमार्गदवीः सुवीगजतशी ॥ १०५ ॥
वागवज्ज ॥ मृतासिक्तुमशुदहपराधरा ॥ विविधिनलमनीमृदुविहखिता ॥ ५

श्री
सु
म
ह
ा
र
ह
म
ह
ा
र
ह
म
ह
ा
र

नाचभीलभीचेअनवीना २ तनाचउज्जानथविनामयाअचला ॥ वामउद्व
विम्वसुडाआदधीना २ प्रह्मज्जालेंगनः अहयमहासुख ॥ वागचचयुगी
हवहयंकना २ तम्यानिहकखभतईनीपाभा ॥ मालचगुचदर्यनीखालविघ
हंका २ नविसभीइगलप्यगगधीविनासयीअचला ॥ २०३ ॥ वागहंदाहा ॥ हंका
नसकातः ॥ २०४ ॥ नोसमशक्तिदहा २ प्रह्मलजालसमशक्तिः कालांकलसमाहृता ॥ २०५ ॥
॥ ऊयगुअचलअनगमूचतिः खभपासकनधानी २ उगगताथः उगगपालीक

श्री
सु
म
ह
ा
र
ह
म
ह
ा
र
ह
म
ह
ा
र

महाकाटलाया ॥ ॥ मूर्तिनिनिहेतवामजानूः धाववर्धुशीलाचना २ ककनादस
हवहयंकनः अखिलविघहका ॥ ॥ उमहरीहनः मघनासनदर्यक्षः दहनसुवि
ना २ उद्यानिपिंठीकसयः कीवशष्टहका ॥ ॥ विविधिनलारवशशेवहीखतादि
यनलमीनी २ उगवाहुदः सर्वमयतिमोक्ष दलदायक ॥ २०६ ॥ वागकाटला ॥
चक्रिकुंउलकथिलाचकमखलरुषितः शीर्वचूडनलसिलमाना २ निलचक्रिचक्रि
लपीयाः रुसविहखितः गगशहाजिवधनीलाया ॥ ॥ २०७ ॥ प्रह्मशीहनूउदिमानकाय

श्रीरामायण

याः शुभनाथ श्रीसुन्दरलाया ॥ वरकलाटकहाः खलधवायाः कश्चुक्रिया उख
दीह ॥ सपरकजागीलीकमलः विहाभः गलमहामुखमनीषसाद ॥ वरवावाही
आलीगभमचलः नाचयोवहोवोवहहह ॥ वाद्यलोकावीलयोयाः किदेतिहनुता
ः मृदुतडा रुलनपभाद ॥ सहजसंशुलियोयाः गभताकि कश्चुपालथीह
नूताचननपभाद ॥ पुष्पाआलीगभकिदेतिहनुताः विनासयीधुन्यकनुसा ॥ -८८
०० - ॥ नागवितास ॥ दीदलकमलवनः वसुमधीहः मधुकनहनुतानीना ॥ श्रीवि

नूपाक्षयखगमुखदिवः सदनपालयवापिता ॥ ६ ॥ नमामिः श्रीनेनात्माशी
रुवनमाताः वच्छलादिवः श्रीमृगमूलि ॥ समयलसुनाधुनवशितचनः शः
अनगअधि सिद्धिवलपदाता ॥ नदनवशमिवचदनतनुवः अनगकुरु
महायावीजातवन ॥ निशुगंगभस्वानवागमातिदिः रथः अगेनेतिथिसूनक्षयवन
॥ ॥ अष्टकेनवअष्टयागीनीदिवः अनगदवासुनक्षयपालः अष्टमहालयरनी
तनिनवावयः अनगविप्रमालनिर्वाचुव ॥ विषय्यापिततात्रानेदिविः अ

मधुना

श्री

खयनिलजनजातिमय २ अतेमकसुखदलदायनिदवीः जन्मजन्मभानुपुङ्गवपायसव
ना ॥ - १००० - ॥ ~~नागवाम~~ ॥ मधुनिपुत्रीपुत्राः इयीनीकुना २ सकलदेवगनवंश
तयाद ॥ ५ ॥ मेशीआदिवृद्धः श्रीमशेरुमाला २ त्वं मृषिवेदि तपमन्त्रशुभवा ॥
कुरुमन्त्रीनासूनचीनविषमा २ शुभगतिना कनूशवेहाया ॥ ॥ विषमविषमक
टपानगमनस्य २ विषयविषयपितः श्रीययुनूवयं ॥ ॥ सतगुनयनमादिविभु
आनास्था २ गभशौतेरपनवकल्लि ॥ - १००० - ॥ ~~नागवाम~~ ॥ श्रीमशेरुनाथव

विहङ्गकमल

नसहाचिनविजया २ चट्टहासखमधुनीः नागवाससुत्र ॥ ५ ॥ नमामे २ श्रीमशेरु
कमाना २ जगादिभनजगतयुनूः देवतयापिता ॥ ॥ प्रककवभुतपनमयुनूला
या २ श्रीधर्मधायुल्लनक्षपालमधुललंकना ॥ ॥ जगतनाथः जगतनिबंजलाया
२ सर्वभासुविसानदः पशुतनिलंजना ॥ - १००० - ॥ ~~नागवाम~~ ॥ विहङ्गक
कमलवनकवश्येनय २ सकतकोसेदिगंवया ॥ ५ ॥ तनाहं २ तनागतहं २ हं ॥
॥ वामकलाटकमधुता २ वादसतानधजूनमूर्शकाः सर्वदेवपदीमधुता ॥

मधुना २ ॥ १००० ॥
॥ १००० ॥
॥ १००० ॥

५२ १४४



॥ दीक्षानक्षत्रधरायुधाः लामास्यापितवर्हः ॥ कुरुपायुधमनुरवदंगधवा
 ॥ यक्षिमद्वज्रवल्गुभो हानकवर्हः ॥ यत्तावदात्तमनुरवदंगपायकुरुधा
 नी ॥ ॥ उरुवद्वानप्रतद्वानवर्णयेनीः स्यामवर्हः ॥ कर्नातेपायवदंगः ॥ मनुरसहिता
 ॥ यक्षनलसूत्रवज्रकिरशः ॥ यक्षमामि श्रीवज्रावेनासिनि ॥ - ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 नीतासः ॥ पुनर्मनसाय नचतावकः ॥ नचविद्यहन्तचग्रहकः ॥ ॥ मीसन्तमानि
 तमूयनविद्या ॥ नद्यतमाहन्तसीचनप्रविर्गः ॥ ॥ वागनद्वयनः भाहन्तवृष्या

॥ नचयेधुनः समानदर्येशः ॥ ॥ लावनमूलावनः ॥ मयनसकः ॥ नितकनगन
 सहजकलविस्फुटि ॥ ॥ यनकुधनकुः ॥ वद्यति लोकः ॥ ननकुगनकुवधन
 मूच्यः ॥ ॥ लाकासूक्तित्वीनितत्त्वः ॥ तत्त्वविवर्जितसिद्धि नलप्यः ॥ ॥
 तसमातगधनक्षधननूयः ॥ नचवसः ॥ सनचचिरुनाविधुधः ॥ ॥ सुर्धनधः
 मनेयनेः नाविधुधः ॥ ॥ सुधस्वतावजः ॥ गङ्गुशः ॥ - ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ वागमावसि ॥
 नमामि ॥ श्रीवज्रजागीनी ॥ ॥ नगीनमधुलामाप्यकालेददहा ॥ ॥ श्रीमैत्री

अर्वाभिनिहितज्ञान

वज्रजागीनीलाहिकवर्धरा २ अन्तर्द्वयविप्रदायनिर्द्वि ॥ श्रीरुवनया
पिकर्दाहेनकवातेधानी २ सहजानन्दरूपिनीद्वि ॥ कर्तागवसनीहन्
मशुला २ वामघर्षवकमुखद्विगधानी ॥ नत्वधर्मादयोचपयीताद्व २
एनमाभिवाङ्गुलीसुहृद्वी ॥ - ६॥०॥० - ॥ वागकाभाद्व ॥ अर्वाभिनिहितज्ञान
मज्ञानः स्वभक्तिवत्तमालसवासा २ वागद्वयभाहवद्विलयासाः श्रीरुवनलाया अच
लविना ॥ ५ ॥ नमाभिर्वाचसुमहाभाषनाः ज्ञानमय्यहयक्षद्विना २ विश्वनाथवी

अर्वाभिनिहितज्ञान

स्वभाषितः वेवावेक्रममहाकाधलाया ॥ श्रीरुविषनांगउर्ध्वपचष्टाः उष्ट्राक
वायातिस्वमवदना २ पिष्टितज्जुर्ध्वराककलनयनाः वेवासवासा वावहसवक्ष ॥
॥ माधवमायाः यूनदनवक्राः नीडपिष्ठाश्चादिषा उवहनना २ समवक्षमायाः
वाविमाहाः ज्ञानलायासमहितदहा ॥ नत्वाहनक्षः पुकालितमोलिः केश
ननडाष्टनवूनमूनकाजा २ हूननवनाशः वेदितचवक्षः लायसूनक्ष नोअलवि
ना ॥ - ६॥०॥० - ॥ वागकाभाद्व ॥ अर्वाभिनिहितज्ञानः नीलसमदहा २ ककलयी

ध्याननिःस्पृहमवदना ॥ ५ ॥ गता हं गता हं हं हं जात अचलकाटलाया ॥ नी
 विदितघनश्रुतिस्मृतिरुक्तमहं रपासखज्जभागीयाहवननाथ ॥ हनीहव
 आळुचउमाला ॥ मालविघ्नश्रुतिभक्तकृत्यहवनी ॥ वीवीधीनत्वभीवील
 कगदहा ॥ जगतीविवाहिकवल्लुलदायनी ॥ ॥ ॥ ॥ रागवसक्त ॥ श्रुत
 सिद्धमश्रुतिदहप्रहासना ॥ विविधिनलमानिमक्तगविहखिता ॥ ६ ॥ ना
 चलीलधीअचलविना ॥ गताचउआनथविनासयीअचला ॥ ॥ अमउर

[illegible]

वक्रजगिनी

२ श्री ५७ भासा नति २ श्री वा नू ड नल सील माला ॥ ॥ जय श्री वाय हू जग त सभा न २
पन्नमामि अदयः सुवा वृत्ति ॥ २८ ॥ ० ॥ ३ ॥ ॥ वागव सक्त ॥ वक्रजा गिनि ह नू गला या
२ श्री क व न नाथ दहि म पात्र ॥ ५ ॥ ॥ पिवयी न महा सुख दू बीया २ वक्र द वि रुल
यी अ नू रु च हान ॥ ॥ उ र्ध ना श्री यी दल कमल संजा हू २ दहि वि ना सयी ॥ य व न
स रु द यी ॥ ॥ हू ज यी ल य क महा सुख दू बीया २ य क सिल भ वी ज मा नू न ॥
॥ सत गु नू प भा द च गु र्था ही र कं २ प्रा द भ वी सं भाल स मू डा ॥ २८ ॥ ० ॥ ३ ॥

वक्रवर्धन हू न वि ना धनी

वागव सक्त ॥ न क व र्ध हू हाः हिरु ज का ला २ न ग भ म कू ट क भा यी नि चे नी ला ॥ ५ ॥
न मा मि द वि र वे या ध वी श्री द भ न य या पि ता २ अ धि मि धि प्र दाय नि रु ग त ज न ली ॥ ॥ द
हि न हा दि नाः वा म पा द भ नी २ वि चा व पु य मालाः क व धा यी ता ॥ ॥ हानू म सु ल
मा स २ काल नी या ति २ ना ना व ल लं कू त हू न प वी सि ता ॥ २८ ॥ ० ॥ ३ ॥ ॥ वाग गु जी लि ॥
उ ल गा हू ॥ श्री नी त द नू मा ला २ ५ ॥ ॥ नि ल र्श ति पि त ल क भा ॥ ५ ॥ ॥ जग द नू कं पाः
ह क पा गु भ द वि २ इ हू माला वि प्र वि ता स नि द वि ॥ ॥ न क न य न श्री नी नू ड माला

[illegible][illegible]

卷之四

[illegible]

स्वस्व

खलनीयवपायल २ घाघलहस्मयाधचर्म ॥ कृतासकृटीविध्वजेवे २ शुक्लमृ
 धुअर्धचडचक्रं ॥ सव्यकनूवाजवामघश्च २ हेनवकालो ज्वालितययदं ॥
 ऊयशीदीह रुसम्बल जीहवन गापिता २ अग्निमिदि महामूत्रासिदि ॥ ॥ ॥ ॥
 नामय ॥ अष्टनानी अष्टपानकाल २ अष्टजामीनीवच ॥ ॥ ॥ ॥
 विध्वककलहला २ दक्षिणसादनभाक्षमार्ग ॥ ननसुवसल अग्निनपाशः
 काल २ गुरुवाकन ज्वाहं ॥ ॥ कलवंसमागुगत्त हलदं २ हविर्द्विचैरुनास

निरुपय

रुलदं ॥ ॥ तत्त्वसिद्धिर्लोडि रुलदं ॥ ॥ रुमजमवकुविनामिनीसंलक्ष्मी ॥ - ॥
॥ वागकर्णदि ॥ नीलगयनसहितशृंगरं शोदसुखशीलाचनिकमलसंलक्ष्मी ॥
रावन्धीजागंमन्वीना ॥ रुगिनिज्ञानधनीकचूनसचयि ॥ ॥ जाकिनिमधुल
चक्रलोया ॥ मधुलकानोवोदगनसंलक्ष्मी ॥ ॥ वज्रिधानीवतालिचक्षुलीरसी
धिनियाधनीरुमूकउलकिनी ॥ ॥ जाकेनीदिपिनीचक्षुमिकेवाजाने ॥ रुमजम
हयइस्वविनाक्षानि ॥ - ॥ ॥ वागनाक ॥ नमामिशेतेनधर्मधासुखीहरीश

नमामिशेतेनधर्मधासु

वनमूकः धर्मधनुवागिधन ॥ ॥ नमामिशेतेनपक्षिधनभासु ॥ रुमह
मिहाविभतमहासुखलाया ॥ ॥ धर्ममथ्यातालहवनशीकापासुक ॥ रुचउ
निलंजनमहामूनिधन ॥ ॥ धर्मधुमिधः ज्ञानधुमिध ॥ रुमथालमधुलमाधु
वासुनरूपि ॥ ॥ वामहजसूकधनधन ॥ रुहिनदि ॥ रुमजसवधन ॥ ॥ श्री
लाकधनमधुलमहासुखलाया ॥ रुमधिराजः श्रीनभधुमलदव ॥ ॥ श्रीवजा
चार्यः वधुदकहवजाचार्य ॥ रुतयिवाकवजरीलाचनीता ॥ - ॥ ॥ वाग

पुत्रकायनि

नवि॥ पूर्ववक्त्रागनिः हंसमात्रुधाः कनकवर्णः शूद्रसुखावी २ उरुवमाहिध्वनी वृष
वाहनचन्द्रवत्तवर्णः शूलनवावी ॥ ५ ॥ हंसः शूलसमभानो नैलाविनहताः शू
द्रहेनवः ननयति मीहता ॥ शूलः कृषिजन्तुनभाक्षपदाताः सुमनः कपापहयह
नश ॥ ॥ पश्चिमः शूद्रायनिः हंसिवाहनः कृमवर्णः वज्रहस्तः २ दक्षिनवावाहि
घनधारवृषः शूलः अहस्तामीहतासीह ॥ ॥ शूलः अन्नचक्षुः कोदविधूमवदन
कालिदक्षवतालः शूलमनूहस्ता २ शूलः अदेभाः कोमावीदविः मयूववाहनः वक्रनादिभाकि

शूलयति लेखन

भावी ॥ ॥ नेः अतवेष्टुविदविग्नः शूलान संघचक्रसहिताः विज्रहस्तः २ वायुव्यः
चामशुभदिविकंकालवदताः सेहवाहनः रजः हस्ता ॥ ॥ शूलः कूलनागादिम
यस्यादिताक्षगुणालनवः रजः दिवि ॥ ॥ पुनमामिदवीः श्रीवाधियायः रजः गतिः शूलिकाय
सोदिहस्तदं ॥ - ००००० - ॥ यागविषयः ॥ शूलयति लेखनः शूलयः शूलयः मग
गतकमलः शूलधना २ शूलतावेवासेतः रायः श्रीविद्यादविपानविश्वसमज्ञानिः
ता ॥ ५ ॥ नमोऽस्मिन्निशानं रुचः निवशवसुतावहः शूलः लक्षसप्रापिता २ सवद

मङ्गलिन

[illegible]

भज्जुधियावाहलि ॥ उमन्कनंति कंधालीशुलः वामखट्वांगयाल भूधना ॥ ५ ॥ श्री
 दिसम्भललायाः वाहलि शुभ्र ऊगुलिना ॥ मालायिच चापयीयान रश्मिमायाः सासूतडा
 हुम्भडासिधना ॥ ॥ पासव भूमदल वामहाथवनीयाउनलसिलमाला ॥ निल
 हनेतलाहेतकनकारवचउमूखभूमिः कलाल भूधना ॥ ॥ जूलिधययाहायेनव
 चापयियानः कालिनायीविभूमडा ॥ विधवहलि भज्जुध च द्रुताशकावाघचर्म
 रदमूडा ॥ ॥ द्रुयिसविनविलभवनायकशीशीचक्रमहाविरहविना ॥ कन

श्रीगणेशाय नमः

नयनिर्मलदक्षिणचक्रवर्तन विप्रमालाविप्रवाहियाल राजकीनीद्विपिनीच
उत्तिकवाङ्मनोधा नयनमालासयाकव ॥ ॥ सिंधिनिचापिनिःकम्बकउवाकिनी
खड्गगयनसूक्ष्मसहस्राक्षजआकिनीधालवतालजाकिनिःचञ्जलजाकि
निचक्रवर्तवि ॥ ॥ किनङ्गनक्षिदविजाकिनीगुणपायसवन्धःपचमडाहर
नक्षिपिताश्वजङ्गकवङ्गघञ्जखत्वाहःपायनमभनीज्ञानदवी ॥ -॥०॥०-
वागलालिका ॥ अलपचनधीमङ्गकुमाला ॥ सवधनकिचक्षहसंकासनैहदहा ॥

५३

५३

श्रीगणेशाय नमः

॥ दवहधीमङ्गधावनतवतवापिता ॥ ॥ दवहजवलदहिनकवधानी ॥ ॥
वामपङ्ककसूत्रगुञ्जलाया ॥ यमगुणायहसकाभहनदहा ॥ ॥ दहिनवामकवधन
सवधना ॥ चक्रवर्तमालाहर्षनवनपसावा ॥ ॥ अगतनपालपसूदितकदया ॥ अति
मन्सूखरुलपसादा ॥ -॥०॥०- ॥ वागलालिका ॥ चद्रयममानसिलभवनःवास
किनागागजितमया ॥ गङ्गवधममानसूत्रकवक्षःघुनितकमघातकनाग
॥ ५ ॥ ॥ ॐ ॥ अमङ्गलजसूत्रकवक्षःघुनितकमघातकनाग

अथ निरुद्ध

सकल जगत्

गीष्मः घसालिदीवेऽघकालसंज्ञातचक्रवर्शला ॥ अग्निदीर्गास्मिन्तसर्वावे
 दिविः संकालभीजातस्वतवर्शला ॥ नेत्राद्यादिर्गास्मिन्तचैजवादिविः चैकालसं
 ज्ञातकृष्टवर्शला ॥ वायुर्वादिर्गास्मिन्तद्वीनीदीविः दीकालसंज्ञातकर्पव
 र्शला ॥ २७० ॥ आनीदीर्गास्मिन्तयुष्मदिदीविः पंकालसंज्ञातस्यामवर्शला ॥
 एष्यताननीनामवनातस्मिन्ताः स्रक्षमूलमध्यस्वयसंज्ञाता ॥ गभोक्तिस्मिन्तासाचा
 र्यदुर्गवंताहवाः दानपतिनी ॥ २७१ ॥ शाहलदाता ॥ २७२ ॥ वागमधुमद ॥

प्रसूदिता

प्रसूदितादिदधतसूचनीसनः मनुमथुलसस्मिन्तलयना ॥ द्वादधतज्जचउवदनस
 स्मिन्ताः वक्रवावाहिकस्र्ज्जालिङ्गना ॥ २७३ ॥ द्वादधतदीहसूचनः सालसयलस
 वाधियान ॥ द्वादधतजीगनश्रुदयसहावः नाचयिदानधीसम्वललाया ॥ २७४ ॥ कालि
 मधस्र्ज्जगज्जचर्मणीभुलः कवतिउमवसूतस्मिन्ता ॥ मर्ज्ज्जपनीतकपालरवदीह
 पासयनभुः वक्रसिलधवा ॥ २७५ ॥ पञ्चजिनवनमद्वतज्जालकनाः खटमूडाभूतव
 आवेहृषिता ॥ अलिक्कालिङ्गीयज्जालिधचाययिः व्याघ्रचर्मनिर्वासनकृष्टतनू ॥

三

[illegible]

श्रीसंतुनाथ

रागकर्णा ॥ श्रीमंजुनाथवलमहाचिन्तविजया २ चन्द्रहासरवङ्गधारिनागवासस्थरु ॥
 ध्रु ॥ नमामि २ श्रीमंजुमाना २ जगदिश्वरजगतगुरुभूवतवापिता ॥ ॥ पुस्त
 कधरशुभयरमगुरुलाया २ श्रीधर्मधादुस्थानलोपालमण्डलनंकुता ॥ ॥ ज
 गतनाथजगतनिलंजनाया २ सर्वशास्त्रविमालदयशिरतनिलंजना ॥ ध्रु ॥
 ॥ त्रागर्गुजति ॥ ५ तंमहानश्रुतनशास्त्र २ नुन्दनितइतिविग्नकशा ॥ ध्रु ॥
 जगत्त्रकपाहपागुनदावि २ द्रु

१ नमस्तान् २
 २ वागमाला ३
 ३ विश्वसयोगा ४
 ४ परममनु ५
 ५ नैकानादि ६
 ६ नवकदह ७
 ७ खगगगिनि ८
 ८ आभ्याहंका ९
 ९ अग्निन १०
 १० अन्नरुन ११
 ११ गगिनीयन १२
 १२ नकवर्ह १३
 १३ नगाद १४
 १४ अचक्र १५
 १५ गिरवनागिनि १६
 १६ कालिगवजान १७
 १७ काला १८
 १८ सर्वप्रथ १९
 १९ हागरनन २०
 २० गीहंका २१
 २१ गोविहोवे २२
 २२ उदिगा २३
 २३ देवेजसकव २४
 २४ न न ससकु २५

१ इति २
 २ इति ३
 ३ सवो ४
 ४ इति ५
 ५ इति ६
 ६ इति ७
 ७ इति ८
 ८ इति ९
 ९ इति १०
 १० इति ११
 ११ इति १२
 १२ इति १३
 १३ इति १४
 १४ इति १५
 १५ इति १६
 १६ इति १७
 १७ इति १८
 १८ इति १९
 १९ इति २०
 २० इति २१
 २१ इति २२
 २२ इति २३
 २३ इति २४
 २४ इति २५

१ नकवर्ह २
 २ कगनि ३
 ३ सवकल ४
 ४ सोयांजाल ५
 ५ इति ६
 ६ अकनादि ७
 ७ निमनगयन ८
 ८ नमामिः ९
 ९ अकवकायनि १०
 १० अकवयनिनंरुन ११
 ११ गगिनि १२
 १२ विवय १३
 १३ अकवकायनि १४
 १४ अकवकायनि १५
 १५ अकवकायनि १६
 १६ अकवकायनि १७
 १७ अकवकायनि १८
 १८ अकवकायनि १९
 १९ अकवकायनि २०
 २० अकवकायनि २१
 २१ अकवकायनि २२
 २२ अकवकायनि २३
 २३ अकवकायनि २४
 २४ अकवकायनि २५

जु पागुखेदेवा सन्नुदेव